भोयर पंवार संघ का अल्प इतिहास

(सन १९१४ से १९८५ तक)

लेखक - पन्नालाल बिसेन, अधिवक्ता बालाघाट

सन १४२१ से १४२५ के बीच हुशंगशाह गोरी के आक्रमण के समय धार से नर्मदाघाटी पार कर सतपुडा के क्षेत्र में बैतुल (मुलताई), छिंदवाडा (सौसर) तथा वर्धा (कारंजा) आदि क्षेत्रों में बसने वाली पवार 'भोयर पंवार' कही जाती है। बीसवीं शताब्दी मे इसने अपना संगठन बनाया जिसका अल्प परिचय निम्न लिखित है।

सर्व प्रथम सन १९१४ मे 'चिचोली बड़' ग्राम मे श्री दंडारे एवं श्री डोंगरे बन्धुओं ने समाज की सभा बुलाई। सन १९१४ मे ही जौलखेडा मे सभा हुई। सन १९१९ में श्री पांडुरंग देशमुख की अध्यक्षता में ग्राम मोरडोंगरी मे सभा ली गई। सन १९२१ मे बैतुल बाजार, सन १९२२ मे पंधराखेडी तथा सन १९२४ में निंब्रोरा मे सभा हुई। इसमें तय हुआ कि 'भोयर' लिखने के बदले 'भोयर पंवार' लिखा जाय। बाद में सन १९३९ मे ग्राम खैरवानी की सभा मे तय हुआ कि अब केवल 'पंवार' शब्द ही लिखा जावे। सन १९४१ मे ग्राम सिवनी (त० सौसर) में संगठन का नाम 'पंवार समाज सुधार समिति' से बदलकर 'मध्यप्रांत व विदर्भ क्षत्रिय पवार भोयर परिषद' रखा गया। इस अधिवेशन के अध्यक्ष श्री सूर्यभान धारपुरे उपाध्यक्ष श्री बालकृष्ण पटेल खैरवानी तथा स्वागताध्यक्ष श्री पूनाजी महाजन थे। इसी सभा में यह प्रस्ताव पारित हुआ कि 'वैनगंगातटीय पंवार' तथा 'वर्धा तटीय पंवार' का एकीकरण किया जावे।

तत्पश्चात सन १९४८ मे धंतोली प्राथमिक शाला मे अधिवेशन हुआ तथा सन १९५६ में 'उमरानाला' में सभा हुई।

सन १९६१ मे कतरी (लालबर्रा) में अ० भा० पं० क्ष० महासभा (वैनगंगा के पंवारों) का विशाल अधिवेशन हुआ जिसमे दोनो वर्गों को इतिहास की खोज करने का काम सौंपा गया ताकि एकीकरण को दिशा मिल सके।

सन १९६२ मे सतोना (त० गोंदिया) मे अ० भा० पं० क्ष० महासभा की स्वर्ण जयंती में भोयर पंवार के प्रतिनिधियों ने एकिकरण का प्रस्ताव लाया जिसमे श्री. चितामनराव गौतम आदि ने व्यवस्था दी कि पहले भोयर समाज के खुले अधिवेशन में एकीकरण का प्रस्ताव पारित कर लिया जावे तथा फिर उक्त प्रस्ताव अ० भा० पं० क्ष० महासभा के अगले किसी अधिवेशन मे लाया जावे। फलस्वरुप ९ फरवरी १९६३ को ग्राम सिवनी (त० सौसर) मे भोयर पंवार समाज का विशाल अधिवेशन हुआ जिसकी अध्यक्षता अ० भा० पं० क्ष० महासभा के तत्कालीन अध्यक्ष श्री दामोदर टेंभरे ने की। इस खुले अधिवेशन मे सर्वमतेन एकीकरण का प्रस्ताव पारित हुआ तथा इस प्रस्ताव पर मई १९६५ में मेंढा (त० तिरोडा) के अ० भा० पं० क्ष० महासभा के खुले अधिवेशन मे सर्वमतेन एकीकरण का प्रस्ताव पारित हुआ। तब से हम एक हैं।

कुछ स्थानीय संगठन :- दि, १६ नवम्बर १९६६ को ग्राम कारंजा (वर्धा) में 'भोयर पंवार विद्यार्थी मंडल नागपुर' का गठन हुआ जिसके अध्यक्ष श्री भरतसिंह कटरे तत्कालीन अध्यक्ष अ० भा० पं० क्ष० महासभा थे तथा उद्घाटन श्री भैयालाल पटले तत्कालीन उपाध्यक्ष जिला परिषद भंडारा ने किया था। इसके अतिरिक्त अन्य स्थानीय संगठन भी हैं।

पत्रकारिता :- अप्रेल १९८५ से खंडवा से श्री गोपीनाथ कालभोर 'भोज पत्रिका' नामक त्रैमासिक निकालते हैं। सितम्बर १९८५ से श्री भागवत ननगरे नागपुर से 'पंवार दर्पण' नामक त्रैमासिक प्रकाशित कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त भोयर पंवार विद्यार्थी मंडल नागपुर ने 'स्मारिका' का प्रकाशन किया था।

॥ वन्देमातरम् ॥

पवार समाज सुधारक समिती सिवनी [संसर]
के ओरसे किया हुवा

मध्यप्रांतिय क्षत्रीय पवार (भोयर)

परिषद सन १९५१ ई. का

अहवाल



ता. २०-६-५१
पवार समाज सुधारक,
समिती सिवनी.

सेक्रेटरी,—रा० ल० पन्हाडकर,
मध्यप्रांतीय क्ष. पवार परिषद
सिवनी (संसर)

कि० १ आना.


पवार समाज सुधार समिति